एक नजर में

शेर-ए-लुधियाना कप्तान ने फिर लिखी अपनी कहानी

इंदौर . शेर-ए-लुधियाना एक बार फिर जोश के साथ सीज़न 2 में वापसी कर रहा है और लीग में दूसरे स्थान पर मजबूती से कायम है . टीम की कमान फिर से ताकतवर कप्तान तौहीद शेख के हाथों में है, जिनकी कड़ी पकड़ और जोश ही टीम की जान है . महज़ 25 साल की उम्र में, औरंगाबाद से निकले यह खिलाड़ी फिर से कप्तान बनकर लौटे हैं . तौहीद हर कदम पर न सिर्फ अपनी टीम की स्थिति बचा रहे हैं, बल्कि टाइटल जीतने की दिशा भी तय कर रहे हैं . औरंगाबाद की धूल भरी गलियों से लेकर राष्ट्रीय मंच तक, तौहीद शेख असली चैंपियन हैं। सीज़न 1 में उन्होंने सिर्फ मुकाबला नहीं किया, बल्कि पूरी तरह जीत हासिल की, वह भी बिना हारे हुए . इसके साथ ही, फैंस, साथियों और दिग्गजों का सम्मान भी जीता . अपनी ताकतवर पकड़ और लगातार मेहनत के लिए पहचाने जाने वाले तौहीद ने बेहद कम समय में आर्म रेस्लिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है .

एस्कोडा ऑटो ने लिमिटेड एडिशन के साथ 25वीं वर्षगांठ मनाई

इंदौर . भारत में अपनी 25वीं वर्षगांठ और वैश्विक स्तर पर 130 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए, एस्कोडा ऑटो इंडिया ने अपने सबसे अधिक बिकने वाले मॉडल्स- कुशाक, स्लाविया और कायलेक के लिमिटेड एडिशन उतारे हैं। ख़ास, लिमिटेड एडिशन में ख़ास डिज़ाइन एन्हांसमेंट्स और प्रीमियम फ़ीचर्स शामिल हैं, साथ ही स्पेशल 25वीं वर्षगांठ का बैज भी है जो इस अहम पड़ाव और भारतीय बाज़ार के लिए ब्रांड की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है . लिमिटेड एडिशन मौजूदा हाई-स्पेसिफिक ट्रिम्स पर आधारित हैं . ब्रांड की 25वीं वर्षगांठ और इन नए लिमिटेड एडिशन मॉडलों के लॉन्च के बारे में बात करते हुए, ध्ङ्म्श्स्रड्ढ ह्वह्लश्इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, हम कायलेक, कुशाक और स्लाविया के लिमिटेड एडिशन के साथ भारत में एस्कोडा ऑटो के 25 शानदार वर्षों का जश्न मना रहे हैं . ये स्पेशल एडिशन हमारे प्रशंसकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए गए हैं, जिनमें स्पोर्टी एलीगेंस और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जिनमें एक कॉम्प्लीमेंटरी एक्सेसरीज़ किट और स्मार्ट इनोवेशन्स शामिल हैं जो ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाते हैं .

आराध्या डिस्पोज़ल इंडस्ट्रीज़ एनएसई इमर्ज पर लिस्ट

इंदौर . आराध्या डिस्पोज़ल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने गर्व के साथ घोषणा की कि कंपनी का 45 .10 करोड़ रुपए का इनिशियल पब्लिक ऑफर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सफलतापूर्वक सूचीबद्ध हो गया है, जिससे यह एक्सचेंज के एसएमई सेगमेंट में शामिल होने वाली 653 वीं कंपनी बन गई है . इस अवसर पर प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, कंपनी प्रबंधन और बाज़ार के कई प्रमुख प्रतिनिधियों उपस्थित थे . सुनील माहेश्वरी, प्रबंध निदेशक, आराध्या डिस्पोज़ल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए निवेशकों, हितधारकों और शुभचिंतकों के विश्वास और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। श्रीमती पार्वती मूर्ति, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, एनएसई ने अपने विचार साझा किए और एनएसई इमर्ज-लिस्टिंग यूनिट होने के महत्व और विकास के अवसरों पर प्रकाश डाला . सुबह कंपनी प्रबंधन ने मुख्य अतिथि के साथ मिलकर घंटी बजाकर कंपनी के शेयरों के व्यापार की शुरुआत की . घंटी बजाने के इस समारोह के बाद, कंपनी और उसके बुक रनिंग लीड मैनेजर ने लिस्टिंग प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी संस्थानों और भागीदारों को सम्मानित किया, जिनमें बी . मंत्री एंड कंपनी, इश्यू के वित्तीय सलाहकार शामिल थे .

एक्सिस मैक्स लाइफ आईपीक्यू सर्वे के निष्कर्ष जारी

इंदौर . एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड ने आज अपने इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट (आईपीक्यू) सर्वे के सातवें संस्करण से पश्चिमी जोन के बारे में मिले निष्कर्ष जारी किए . यह सर्वे मार्केटिंग डाटा एवं एनालिटिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी कांतार के साथ मिलकर किया गया है . पश्चिमी क्षेत्र से मिले नतीजे फाइनेंशियल सिक्योरिटी को लेकर लोगों के रुझान में लगातार हो रहे सुधार की तस्वीर दिखाने वाले हैं . यहां टर्म इंश्योरेंस को लेकर जागरूकता बढ़ी है और लाइफइंश्योरेंस का लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल प्लानिंग के टूल के रूप में प्रयोग भी बढ़ा है . एक्सिस मैक्स लाइफके चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर सुमित मदान ने कहा, 'प्रोटेक्शन कोशेंट के मामले में पश्चिमी जोन की सतत प्रगति उपभोक्ताओं की सोच में स्पष्ट बदलाव की तस्वीर दिखाती है। आईपीक्यू 7 .0 एक मैच्योर होते बाजार का संकेत कर रहा है, विशेषरूप से वेतनभोगी वर्ग और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों के निवासियों के बीच, जहां लोग बेसिक इंश्योरेंस ऑनरशिप से ज्यादा उद्देश्यपूर्ण फाइनेंशियल प्लानिंग की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। अब अधिकतर उपभोक्ता कम प्रीमियम के बजाय ज्यादा कवरेज को प्राथमिकता दे रहे हैं .

तिरूपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान में राधा जी के केश श्रृंगार का मनोहारी झूला सजाया

इंदौर . सातुड़ी तीज के अवसर पर तिरूपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान गुमाश्ता नगर

में चल रहे झूलोत्सव के अंतर्गत राधा जी के केश श्रृंगार का अत्यन्त मनोहारी झूला सजाया गया. देवस्थान के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पसारी, लक्ष्मण पटवा एवं राम मूंदड़ा ने बताया कि झूला उत्सव पर भगवान की लीलाओं पर कई मनोहारी श्रृंगार किए जा रहे हैं . आज बड़ी तीज पर प्रभु द्वारा राधाजी के केश श्रृंगार करते हुए दर्शाया गया है जो अत्यन्त लुभावना बन पड़ा है . शाम 6 बजे बाद महाआरती हुई एवं श्रद्धालुओं को दर्शन सुलभ हुए . झूला उत्सव जन्माष्टमी तक जारी रहेगा .

इंटरकॉन्टिनेंटल रोबोटिक सर्जरियों को दिया सफलतापूर्वक अंजाम

इंदौर . विश्वस्तरीय चिकित्सा साझेदारी एवं सर्जिकल इनोवेशन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल, इंक ने स्वदेश में विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम का उपयोग कर फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में एन्युअल कॉन्फ्रेन्स ऑफ द सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी में दो जटिल इंटरकॉन्टिनेंटल रोबोटिक टेलीसर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया . एसएसआई मंत्रा की मदद से सर्जन दूर बैठे पूरी सटीकता के साथ सर्जरी को अंजाम दे सकते हैं। ऐसे में एसएस इनोवेशन्स की यह पहल विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की डिलीवरी को नया आयाम दे रही है . इस रिमोट सर्जरी ने तकरीबन 10,000 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद सर्जिकल टीमों को एक दूसरे से कनेक्ट किया, इनमें इंस्टीट्यूट डे रीसर्च कॉन्ट्रे लेस कैंसर्स डे एल-अपेरेल डाइजेस्टिफ (जिसका मुख्यालय फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में है), श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और आईआरसीएडी नेशनल सेंटर, इंदौर भारत की टीमें शामिल थीं . यह सफलता महाद्वीपों के बीच उच्च सटीकता की सर्जिकल देखभाल उपलब्ध कराने की एसएसआई मंत्रा की असाधारण क्षमता को दर्शाती है .

श्रीजी शिपिंग ग्लोबल का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा

इंदौर . श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड ने घोषणा की है कि वह 19 अगस्त, 2025 को अपने इक्विटी शेयरों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए बोलियाँ/निर्गम खोलेगी . बोलियाँ/निर्गम 21 अगस्त को बंद होंगे . एंकर निवेशक बोली की तिथि 18 अगस्त होगी . न्यूनतम 58 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 58 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं . निर्गम का मूल्य बैंड 240 से 252 रुपए प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है . कुल निर्गम आकार 10 रुपए अंकित मूल्य वाले 16,298,000 इक्विटी शेयरों का 100% ताज़ा निर्गम है . कंपनी नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग जहाजों (द्वितीयक बाजार से सुपरमैक्स श्रेणी के ड्राई बल्क कैरियर) के अधिग्रहण के लिए करेगी, जिसकी अनुमानित राशि 2,511.79 मिलियन है . कंपनी का इरादा 230 मिलियन' कुछ बकाया उधारों का आंशिक या पूर्ण रूप से पूर्व-भुगतान/चुकाना और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए चुकाना है . भारत या विश्व स्तर पर कोई सूचीबद्ध समकक्ष समूह कंपनियाँ नहीं हैं जो कंपनी के समान व्यवसाय में लगी हों .

क्या मिल पाएगी आज़ादी?

इंदौर . इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एण्डटीवी लेकर आया है हँसी-मज़ाक और देशभक्ति से भरे खास एपिसोड। 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' के किरदार इस बार घर और मोहल्ले में दिखाएंगे अपनी मजेदार आज़ादी की लड़ाइयाँ। 'हप्पू की उलटन पलटन' के आगामी एपिसोड के बारे में बताते हुये योगेश त्रिपाठी उर्फ दरोगा हप्पू सिंह ने कहा राजेश अपने रोज़मर्रा के घर के कामों से थक गई हैं और थोड़ी आज़ादी चाहती हैं . कटोरी अम्मा चाहती हैं कि सब उनके नियमों के अनुसार ही घर चलाएं . साथ ही बच्चे पढ़ाई और सख्त टाइम टेबल से थक चुके हैं और जोर से कहते हैं, 'हमें होमवर्क से आज़ादी चाहिए .' 'भाबीजी घर पर हैं' के आने वाले एपिसोड के बारे में विदिशा श्रीवास्तव उर्फ अनीता भाबी ने कहा मॉडर्न कॉलोनी में एक हेल्थ चेकअप कैंप लगाया जाता है, जिसमें पता चलता है कि ज्यादातर लोग, जिनमें विभूति नारायण मिश्रा और मनमोहन तिवारी भी शामिल हैं, का शुगर लेवल हाई है . उनकी पत्नियां, अनीता और अंगूरी (शुभांगी अत्रे), तुरंत ऐक्टिव हो जाती हैं और घर में मिठाइयों, तली हुई और तेल वाली चीज़ों पर पूरी पाबंदी लगा देती हैं . इससे दोनों पुरुषों की जिंदगी बेरंग हो जाती है। स्वादिष्ट खाने की तलब मिटाने के लिए विभूति और तिवारी छिपकर खाने की तलाश में निकल पड़ते हैं, लेकिन उनकी हर हरकत पर नजर रखी जाती है .

लॉक डाउन का फायदा उठाकर बना ली सरकारी जमीन पर सड़क

- शिकायत पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनदेखी
- मामला ग्राम बिहाड़िया पंचायत का

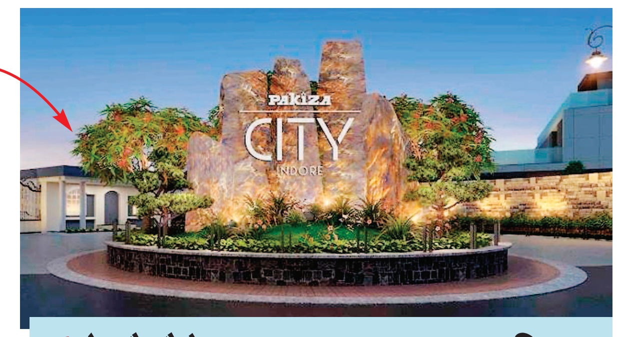

नवभारत न्यूज

इंदौर. सरकारी जमीन पर निजी कॉलोनाइजर किस तरह कब्जा करते है। इसका उदाहरण है ग्राम बिहाड़िया पंचायत की सरकारी जमीन पर लॉक डाउन का फायदा उठाकर सीमेंट की सड़क बना ली गई. इतना ही नहीं ग्राम पंचायत द्वारा सरकारी जमीन पर किए पौधरोपण को जमींदोज कर कब्जा कर लिया. इससे बढ़कर यह है कि सरपंच और पंचायत सचिव द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत को वरिष्ठ अधिकारियों ने संज्ञान में भी नहीं लिया गया. आज स्थिति यह है कि सरकारी जमीन पर पाकीजा सिटी कॉलोनी की न सिर्फ सड़क बन गई, बल्कि उस सड़क पर बाउंसर लगाकर पांव तक नही रखने दिया जा रहा है.

मामला तहसील बिचौली हप्सी के ग्राम बिहाड़िया पंचायत का है. बिहाड़िया पंचायत के खसरा नंबर 15, जो की राजस्व रिकार्ड में सरकारी जमीन है. उक्त सर्वे नंबर 15 की सरकारी दो बीघा से ज्यादा जमीन पर पाकीजा सिटी के संचालक नूर मोहम्मद गोरी ने जबरन कब्जा कर सीमेंट के सड़क का निर्माण कर लिया. पाकीजा सिटी ने उक्त अवैध निर्माण कोविड 19 में लोक डाउन के समय कब्जा करके किया है. खास बात यह है कि ग्राम पंचायत ने सरकारी जमीन को कब्जे से बचाने के लिए करीब 2 सौ पौधे लगाए थे. लॉक डाउन के दौरान पाकीजा सिटी ने सभी दो सौ पौधों पर मिट्टी और मुरम डालकर खत्म कर कर दिए। उसके बाद अवैध रूप से सड़क का निर्माण कर सरकारी खसरे नंबर 15 की जमीन पर कब्जा कर लिया. बताया जाता है कि 2020 में पूर्व सरपंच जगदीश यादव और वर्तमान सरपंच पल्लवी संदीप यादव ने तहसीलदार को कई बार शिकायत की. शिकायत पर वृष अधिकारियों ने कोई संज्ञान नहीं लिया, परिणाम स्वरूप पालिका सिटी के नूर मोहम्मद गौरी ने सरकारी ज़मीन पर सिर्फ कब्जा कर सड़क ही नहीं बनाई, बल्कि सड़क से आने जाने पर आम लोगों की रोक भी लगा रखी है.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में उक्त सर्वे नंबर 15 के 0.3170 हैक्टेयर लगभग दो बीघा कब्जे और अतिक्रमण वाली जमीन का बाजार मूल्य 15 करोड़ रुपए है.

कई बार की शिकायत

ग्राम बिहाड़िया के सरपंच पल्लवी यादव के पति संदीप यादव ने बताया कि जून 2021 से लगातार मामले की शिकायत तहसीलदार को की जा रही है . पंचायत सचिव, पूर्व सरपंच और मेरे द्वारा कई बार शिकायत कर बताया कि सर्वे नंबर 15 के जमीन पर पाकीजा सिटी के नूर मोहम्मद गौरी द्वारा कब्जा किया जा रहा है . पाकीजा सिटी कॉलोनी के मालिक गौरी ने 2 सौ पौधे खत्म कर दिए और जमीन पर कब्जा कर सीमेंट कांक्रीट की सड़क बना ली है . कब्जे वाली सड़क पर किसी को भी कॉलोनी की सड़क बताकर आने जाने नहीं देते है . कई बार तहसीलदार को शिकायत करने के बाद भी आज तक कार्रवाई नहीं हुई .

सभी दस्तावेज दिखाए

ग्राम बिहाड़िया की सरकारी जमीन पर कब्जे और अतिक्रमण को लेकर तहसील बिचौली हप्सी एसडीएम अजय भूषण शुक्ल ने कहा कि 16 तारीख बाद आप सभी शिकायत और दस्तावेज प्रस्तुत करे। उसके बाद कारवाई करते है .

दो सौ पौधे पर मुरम डालकर कब्जा किया

पंचायत सचिव शीला कुशवाह ने बताया कि हमने पूर्व सरपंच के कार्यकाल में सर्वे नंबर 15 की सरकारी जमीन पर पौधरोपण किया था . करीब 2 सौ से ज्यादा पौधे लगाए थे . कोविड़ में लॉक डाउन के दौरान उक्त पौधरोपण वाली सरकारी जमीन पर पाकीजा सिटी के मालिक द्वारा मुरम और मिट्टी डालकर पौधे खत्म कर दिए गए . हमने मामले की शिकायत तहसीलदार और वरिष्ठ अधिकारी को की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई . अतिक्रमण कर बनाई सड़क से अब उनके बाउंसर निकलने भी नहीं देते है .

निगम आयुक्त को श्रम आयुक्त का कारण बताओ सूचना पत्र

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम आयुक्त को श्रम आयुक्त ने कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है. यह पत्र इंदौर नगर निगम मास्टर कर्मी यूनियन के आवेदन पर जारी किया गया है. पत्र में 25 अगस्त को आयुक्त स्वयं या अपने प्रतिनिधि के द्वारा सप्रमाण दस्तावेज के साथ उपस्थित होने का कहा गया है. साथ ही वकील नहीं भेजने का भू कहा है.

श्रम आयुक्त रजनीसिंह ने नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है. सूचना पत्र में 25 अगस्त को पेशी पर उपस्थित होने का भी कहा है. उक्त सूचना पत्र नगर निगम के विनियमित कर्मचारियों को समान वेतनमान के आदेश का पालन नहीं करने के चलते जारी किया है. ध्यान रहे कि सन 2023 में नगर निगम के मनोहर पिता गणपत और 1390 मस्टर कर्मचारियों के लिए मध्यप्रदेश औद्योगिक न्यायाधिकरण ने आदेश दिया था. आदेश में मध्यप्रदेश औद्योगिक अधिनियम के तहत सभी विनियमित कर्मचारियों नियमित कर्मचारी के समान वेतन पाने का अधिकार है. सभी विनियमित कर्मचारियों को 7 दिन का आकस्मिक अवकाश और 17 दिन का सवैतनिक अवकाश का भी अधिकार है. उक्त आदेश के पालन में मस्टर कर्मचारी यूनियन ने आयुक्त के लिखाफ अभियोजन अधिकारी से कार्रवाई की मांग की है. इसी को देखते हुए आयुक्त शिवम वर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है. साथ ही पत्र में आयुक्त को अभियोजन के अधिकारी नही होने का भी उल्लेख है.

त्यौहारों पर डीजे बजाने व पीओपी मूर्ति निर्माण, विक्रय पर प्रतिबंध

- जिला शांति समिति की बैठक में निर्णय

नव भारत न्यूज

इंदौर. जिला प्रशासन ने आगामी त्यौहारों पर डीजे बजाने और पीओपी की मूर्ति निर्माण और बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है. यह निर्णय आज जिला शांति समिति की बैठक में लिया गया है. बैठक में डीजे और पीओपी मूर्ति निर्माण नहीं करने का सख्ती से पालन की बात कही गई है. यह बात अलग है कि कलेक्टर के आदेश का पालन कोई नहीं करता है और ना पुलिस प्रशासन कार्रवाई करता है.

आज जिला शांति समिति की कलेक्टर कार्यालय में आगामी त्यौहारों को लेकर बैठक हुई. बैठक में त्यौहारों और विभिन्न आयोजनों में डीजे का उपयोग करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा. ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी. दो से अधिक स्पीकर देने वाले संस्थानों के विरुद्ध भी कारवाई की जाएगी. साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों के निर्माण और विक्रय पर लगे प्रतिबंध का भी कड़ाई से पालन कराया जाएगा. उक्त निर्णय कलेक्टर आशीष सिंह ने जिला शांति समिति की बैठक में लेते हुए कहा कि दोनों मामलों में सख्त कारवाई की जाएं. बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, एडीएम रोशन राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे.

सुरक्षा प्रबंधों की दी जानकारी

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी . उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी . मूर्ति निर्माता केवल पारंपरिक स्वरूप में मूर्तियां बनाएं, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली मूर्तियां नहीं बनाएं . उन्होंने कहा कि मटकी फोड़ प्रतियोगिता निर्धारित ऊंचाई पर ही हो और पंडाल यातायात बाधित करने वाले स्थान पर नहीं लगाए जाएं . नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने नगर निगम द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी दी . बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने भी सुझाव दिए .

माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने मनाई सातुड़ी तीज

- चंद्रमा के दर्शन कर लगाया सत्तू का भोग

नवभारत न्यूज

इंदौर. माहेश्वरी समाज में भादवा मास की तीज को सातुड़ी तीज के रूप में मनाया जाता है. यह अकेला ऐसा त्यौहार है जो माहेश्वरी समाज में ही बनता है एवं देश भर में एक ही परंपरा के आधार पर इसे धूमधाम से मनाया जाता है.

उषा नगर रहवासी संघ की माहेश्वरी महिलाओं ने आज तीज का त्यौहार मिलजुलकर मनाया. शोभना मूंदड़ा, अमिता मंत्री, अर्चना माहेश्वरी आदि ने बताया कि दिन भर से आज उपवास रखा गया. शाम को भगवान की पूजा की गई एवं इस त्योहार से जुड़ी कहानियां भी महिलाओं ने एक दूसरे को सुनाई. अपेक्षा, भावना एवं पारुल जैसी बहुएं सोलह श्रृंगार कर इस विशिष्ट त्यौहार में सम्मिलित हुई. देर रात चंद्रमा जी के दर्शन होने के बाद नीमड़ी से सभी महिलाओं ने दूध पिया. पुरुष भी इसमें सहभागी हुए एवं घर पर बनाएं तथा ससुराल से आए सत्तू को पासा.

पति की लंबी उम्र की कामना का त्यौहार

पति की लंबी उम्र की कामना के साथ मनाया जाने वाला यह त्यौहार माहेश्वरी समाज में अत्यंत विशिष्ट है . कई घरों में इस त्यौहार के आने की बांट जोही जाती है . आज पूरा शहर के माहेश्वरी परिवारों में उत्सव का माहौल है . हर कॉलोनी में पूजा स्थल बने हुए हैं जहां आसपास की सभी महिलाएं पूजा करने जाती है जिससे आपसी सामंजस्य भी बढ़ता है . बहुएं पूजा कर भगवान के साथ अपने सास ससुर का आशीर्वाद लेती हैं .

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के तत्काल निराकरण के निर्देश

- निगम आयुक्त ने की जनसुनवाई

इंदौर. नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय में आज जनसुनवाई की गई. उक्त क्रम में आज निगमायुक्त द्वारा स्वयं अपने कक्ष में निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख के साथ जनसुनवाई की गई. इस अवसर पर आयुक्त द्वारा जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदनों को तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिये गये.

जनसुनवाई के दौरान सफाई मित्र इंदिरा आदिवाल भी पहुंची, उनके कार्यो की आयुक्त ने प्रशंसा करते हुए, कहा कि आप स्वच्छता के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम करती है एवं स्वच्छता के साथ ही वार्ड क्षेत्र में स्वच्छता की रांगोली का भी निर्माण प्रतिदिन करती है, आप स्वच्छता की ब्राड एम्बेसेटर भी है, आपके स्वच्छता के अनुभव का अन्य सफाई मित्रों को लाभ मिले इसके लिये आयुक्त श्री वर्मा द्वारा उन्हे अन्य कर्मचारियों को सुपरवाईजर के रूप में प्रशिक्षित करने तथा स्वच्छता का रोल मॉडल बनाने के संबंध में चर्चा की गई. आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित कक्ष में जनसुनवाई की गई, जन सुनवाई के दौरान नागरिको द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागों के 30 आवेदन आयुक्त महोदय के समक्ष प्रस्तुत किये गये, आयुक्त द्वारा नागरिको को समक्ष में सुना गया तथा प्राप्त आवेदन को आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त व विभाग प्रमुख को तत्काल प्रेषित कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये.

समय डेलीगेट का छिड़काव जरूरी

इंदौर. मध्य प्रदेश. फॉल आर्मीवर्म (फॉ)का प्रकोप पिछले कुछ वर्षों से मक्का किसानों के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है. यह कीट पौधों के शुरुआती विकास चरण में हमला करके पूरी फसल को बर्बाद कर सकता है। लेकिन मध्य प्रदेश के कई जिलों में अब तस्वीर बदल रही है—और इसकी वजह है एक स्मार्ट, समय पर अपनाई गई रणनीति- डेलीगेट का सुनियोजित प्रयोग.

विशेषज्ञों का मानना है कि फॉ से प्रभावी बचाव के लिए डेलीगेट का पहला छिड़काव बुवाई के 15-25 दिनों के भीतर और दूसरा छिड़काव 30-35 दिनों के भीतर करना ज़रूरी है. यह वही क्रिटिकल विंडो है जब कीट का प्रकोप शुरू होता है और पौधों को सबसे ज़्यादा नुकसान पहुंच सकता है. समय पर डेलीगेट का उपयोग न केवल फसल को शुरुआती हमलों से बचाता है, बल्कि पूरे सीज़न में उसकी मजबूती और समान विकास सुनिश्चित करता है.

पारंपरिक कीटनाशकों के मुकाबले डेलीगेट कई मायनों में बेहतर है—यह लक्षित तरीके से फॉ को खत्म करता है, जबकि मित्र कीटों को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीति का हिस्सा है, जिससे बार-बार छिड़काव की आवश्यकता कम हो जाती है और किसानों को श्रम व लागत, दोनों में बचत होती है. छिंदवाड़ा, बैतूल, सिवनी, हरदा और होशंगाबाद जैसे प्रमुख मक्का उत्पादक जिलों के किसानों ने डेलीगेट के समय पर उपयोग से उल्लेखनीय नतीजे देखे हैं. प्रतिक्रियात्मक नियंत्रण की बजाय, जिन्होंने पहले से योजना बनाकर छिड़काव किया, उनके खेतों में भुट्टे ऊपर तक भरे हुए, वज़नदार और प्रति एकड़ उपज में स्पष्ट बढ़ोतरी देखी गई है. छोटे और सीमांत किसान भी इस रणनीति को अपना रहे हैं. शुरू में लागत को लेकर संकोच रहा, लेकिन लंबे समय के आर्थिक लाभ और बढ़ी हुई पैदावार ने उनका विश्वास मज़बूत किया. मध्य प्रदेश में स्थानीय फील्ड टीमें किसानों के लिए सिर्फ विक्रेता नहीं, बल्कि भरोसेमंद सलाहकार के रूप में काम कर रही हैं.

व्याख्यान — स्वस्थ युवा-समृद्ध राष्ट्र-विश्व कल्याण का संदेश देकर डॉ . ए .के . द्विवेदी ने किया युवाओं का आह्वान

ज्ञान और कौशल का उपयोग राष्ट्र कल्याण में करें युवा

- अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर एसजीएसआईटीएस में हुआ प्रेरक व्याखायान

इंदौर. श्री गोविन्द राम सक्सेरिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एसजीएसआईटीएस) में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें मुख्य वक्ता के रूप में एसकेआरपी गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के डिपार्टमेंट ऑफ़ फिजियोलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री के हेड प्रो. डॉ. ए.के. द्विवेदी थे. उन्होंने भावी इंजीनियरिंग छात्रों को स्वस्थ युवा-समृद्ध राष्ट्र-विश्व कल्याण का प्रेरक संदेश दिया.

डॉ. द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया पर केवल रील्स बनाना ही जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें भारतीय ज्ञान परंपरा को समझना चाहिए. हमारे पूर्वजों ने जो तर्कसंगत, वैज्ञानिक और गहन अनुसंधान किए हैं, उन्हें आत्मसात कर अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग राष्ट्र कल्याण में करना चाहिए क्योंकि युवा भारत के भविष्य के निर्माता हैं. उनकी ऊर्जा, उत्साह व नवाचार की क्षमता ही आने वाले वर्षों में देश की प्रगति की दिशा तय करेगी. लेकिन तकनीकी और आर्थिक विकास तभी सार्थक है, जब हम स्वयं, अपने परिवार और समाज को शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक रूप से स्वस्थ रखें. डॉ. द्विवेदी ने युवाओं को अपने जीवन में तीन संतुलित स्तंभ अपनाने का आह्वान किया. पहला स्वयं का स्वास्थ्य. इसके अतंर्गत नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और नशामुक्त जीवनशैली रखें. दूसरा परिवार का स्वास्थ्य व सहयोग. इसमें अंतर्गत परिवार के सदस्यों का सम्मान, उनके स्वास्थ्य का ध्यान और पारिवारिक सुख-संतोष को प्राथमिकता देना रखें. तीसरा समाज एवं राष्ट्र का कल्याण. इसमें इंजीनियरिंग ज्ञान का उपयोग सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और समाज उत्थान में करना लक्ष्य रखें.

आखिरी में डॉ. द्विवेदी ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित आहार-विहार को अपनाने, कम शक्कर और कम तेल वाले सुपाच्य भोजन का सेवन करने तथा नियमित योग और प्राणायाम करने की शपथ छात्रों से दिलवाई. कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. द्विवेदी का स्वागत पौधा भेंटकर डॉ. सचिन बलसारा ने किया. मोमेंटो प्रो. सारिका तिवारी ने भेंट किया। कार्यक्रम कॉर्डिनेटर डॉ. निधि ओसवाल ने थी.

होम्योपैथी रिसर्च सेंटर शुरू करने को लेकर चर्चा

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नितेश पुरोहित जी ने डॉ . द्विवेदी जी से संस्थान में होम्योपैथी रिसर्च सेंटर और डिस्पेंसरी प्रारम्भ करने का आग्रह किया . तत्पशाच डॉ . द्विवेदी ने होम्योपैथी रिसर्च सेंटर और डिस्पेंसरी शुरू करने को लेकर संस्थान के हेल्थ केयर विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रतिनिधि से चर्चा की . इसको लेकर परिसर में स्थान भी देखा गया और जल्द ही इस संबंध में निर्णय कर होम्योपैथी रिसर्च सेंटर व डिस्पेंसरी शुरू करने की बात कही .